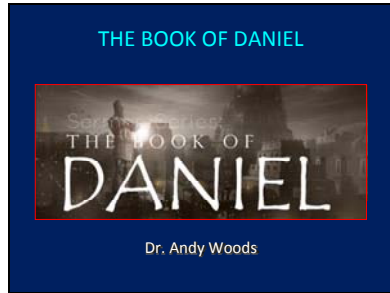


Slide 1



---

---

---

---

---

---

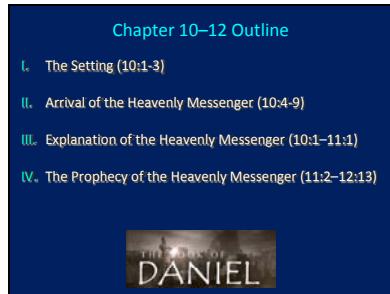
---

---

---

---

Slide 2



---

---

---

---

---

---

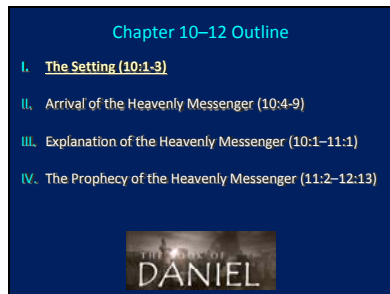
---

---

---

---

Slide 3



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---




Slide 4

I. The Setting (10:1-3)

A. Historically (v. 1)

1. Cyrus of Persia
2. Third year of Cyrus

B. Personally (v. 2-3)



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---




Slide 5

I. The Setting (10:1-3)

A. Historically (v. 1)

1. Cyrus of Persia
2. Third year of Cyrus

B. Personally (v. 2-3)



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---




Slide 6

I. The Setting (10:1-3)

A. Historically (v. 1)

1. Cyrus of Persia
2. Third year of Cyrus

B. Personally (v. 2-3)



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 7

Succession of Gentile Rulers

- 1-4: Nebuchadnezzar of Babylon
- 5: Belshazzar of Babylon
- 6: Darius of Media – Persia
- 7-8: Belshazzar of Babylon
- 9: Darius of Media – Persia
- 10-12: Cyrus of Media – Persia

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---




Slide 8

I. The Setting (10:1-3)

A. Historically (v. 1)

1. Cyrus of Persia
2. Third year of Cyrus

B. Personally (v. 2-3)



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 9

CHAPTER AND VERSE IN DANIEL	CHRONOLOGICAL DATE	BIBLICAL DATE
1:1	605	3 <sup>rd</sup> year of Jehoiakim
2:1	603	2 <sup>nd</sup> year of Nebuchadnezzar
5	Sat. night 10/12/539 (Hohner)	
7:1	553	1 <sup>st</sup> year of Belshazzar
8:1	551	3 <sup>rd</sup> year of Belshazzar
9:1	538	1 <sup>st</sup> year of Darius
<u>10:1</u>	<u>536</u>	<u>3<sup>rd</sup> year of Cyrus</u>

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 10

Daniel's Age		
CHAPTER	EVENTS	AGE
1	Taken to Babylonian captivity	15
2	Interpreting Nebuchadnezzar's 1 <sup>st</sup> dream (huge image)	17
3	Daniel's 3 friends cast into the fiery furnace	19 or 20
4	Interpreting Nebuchadnezzar's 2 <sup>nd</sup> dream (huge tree)	45-50
5	Interpreting handwriting of the wall at Belshazzar's feast	Early 80's
6	Delivered from the den of lions	c.83
7-8	Daniel's visions and dreams	Mid-60's
9	Daniel's seventy "sevens" prophecy	Early-80's
10-12	Final dreams and visions	Mid-60's

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 11

Three Returns							
	Date	Duration	Persian king	Jewish leader	Scripture	Purpose	Number of returnees
1 <sup>st</sup> return	538-515 B.C.	23 years	Cyrus (Isa 44:28-45:1)	Zerubbabel	Ezra 1-6; Isaiah 44:28	Rebuilding the temple	50,000
2 <sup>nd</sup> return	458-457 B.C.	2 years	Artaxerxes	Ezra	Ezra 7-10	Adorning of the temple and reforming the people	2,000
3 <sup>rd</sup> return	444-432 B.C.	8 years	Artaxerxes	Nehemiah	Nehemiah	Rebuilding the wall	

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---


---

Slide 12


I. The Setting (10:1-3)

A. Historically (v. 1)

- Cyrus of Persia
- Third year of Cyrus



B. Personally (v. 2-3)



**DANIEL**

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 13

Chapter 10–12 Outline

- I. The Setting (10:1-3)
- II. Arrival of the Heavenly Messenger (10:4-9)
- III. Explanation of the Heavenly Messenger (10:1–11:1)
- IV. The Prophecy of the Heavenly Messenger (11:2–12:13)



---

---

---

---

---

---

---

---



---

---

Slide 14

II. Arrival of the Heavenly Messenger (10:4-9)

- A. His description (v. 4-6)
- B. Response (v. 7-9)
  - 1. Daniel's friends (7)
  - 2. Daniel (8-9)



---

---

---

---

---

---

---

---



---

---

Slide 15

II. Arrival of the Heavenly Messenger (10:4-9)

- A. His description (v. 4-6)
- B. Response (v. 7-9)
  - 1. Daniel's friends (7)
  - 2. Daniel (8-9)



---

---

---

---

---

---

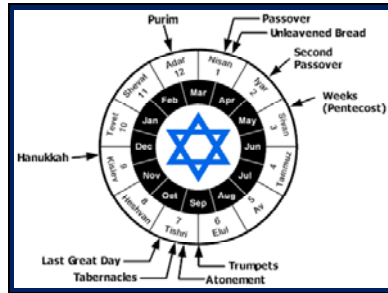
---

---

---

---

Slide 16




---



---



---



---



---



---



---

Slide 17




---



---



---



---



---



---



---

Slide 18

II. Arrival of the Heavenly Messenger (10:4-9)

- A. His description (v. 4-6)
- B. Response (v. 7-9)
  1. Daniel's friends (7)
  2. Daniel (8-9)





---



---



---



---



---



---





---

Slide 19

II. Arrival of the Heavenly Messenger (10:4-9)

- A. His description (v. 4-6)
- B. Response (v. 7-9)
  1. Daniel's friends (7)
  2. Daniel (8-9)



---

---

---

---

---

---

---

---



---

---

Slide 20

II. Arrival of the Heavenly Messenger (10:4-9)

- A. His description (v. 4-6)
- B. Response (v. 7-9)
  1. Daniel's friends (7)
  2. Daniel (8-9)



---

---

---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 21

Chapter 10–12 Outline

- I. The Setting (10:1-3)
- II. Arrival of the Heavenly Messenger (10:4-9)
- III. Explanation of the Heavenly Messenger (10:1–11:1)
- IV. The Prophecy of the Heavenly Messenger (11:2–12:13)



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---



Slide 22

III. Explanation of the Heavenly Messenger (10:10–11:1)

A. Explanation of His Delay (10:10-13)

B. Explanation of His Visit (10:14–11:1)

1. Purpose of his visit (10:14)
2. Daniel's reaction (10:15-19)
3. Continuing spiritual warfare (10:20–11:1)



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---



Slide 23

III. Explanation of the Heavenly Messenger (10:10–11:1)

A. Explanation of His Delay (10:10-13)

B. Explanation of His Visit (10:14–11:1)

1. Purpose of his visit (10:14)
2. Daniel's reaction (10:15-19)
3. Continuing spiritual warfare (10:20–11:1)



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 24

Genesis 12:3

"And I will bless those who bless you, And the one who curses you I will curse. And in you all the families of the earth will be blessed."



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---



Slide 25

Israel's Three Blessings to the World  
(Gen 12:3b)

- 1) Scripture (Rom 3:2)
- 2) Savior (John 4:22)
- 3) Kingdom (Isa 2:2-3)



---

---

---

---

---

---

---


---

---


---

Slide 26

Old Satan Deluder Law: 1642 Massachusetts  
Church of the Holy Trinity v. U.S., 343 U.S. 451, 467 (1952)



"It being one chief project of that **old deluder, Satan**, to keep men from the knowledge of the Scriptures, **as in former time**...it is therefore ordered...that after the Lord hath increased the settlement...they shall...appoint one within their town, to teach all such children to read...they shall set up a grammar school to instruct youths..."



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---



Slide 27

III. Explanation of the Heavenly Messenger  
(10:10–11:1)

A. Explanation of His Delay (10:10-13)

B. Explanation of His Visit (10:14–11:1)

1. Purpose of his visit (10:14)
2. Daniel's reaction (10:15-19)
3. Continuing spiritual warfare (10:20–11:1)



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---


Slide 28

III. Explanation of the Heavenly Messenger (10:10–11:1)

A. Explanation of His Delay (10:10-13)

B. Explanation of His Visit (10:14–11:1)

1. Purpose of his visit (10:14)
2. Daniel's reaction (10:15-19)
3. Continuing spiritual warfare (10:20–11:1)



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---


Slide 29

III. Explanation of the Heavenly Messenger (10:10–11:1)

A. Explanation of His Delay (10:10-13)

B. Explanation of His Visit (10:14–11:1)

1. Purpose of his visit (10:14)
2. Daniel's reaction (10:15-19)
3. Continuing spiritual warfare (10:20–11:1)



---

---

---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 30

2. Daniel's Reaction (15-19)

- a. Problem (v.15-17)
- b. Solution (v.18-19)



---

---

---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 31

2. Daniel's Reaction (15-19)

- a. **Problem (v.15-17)**
- b. **Solution (v.18-19)**



---

---

---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 32

2. Daniel's Reaction (15-19)

- a. **Problem (v.15-17)**
- b. **Solution (v.18-19)**



---

---

---

---

---

---

---

---



---

---

Slide 33

III. Explanation of the Heavenly Messenger (10:10–11:1)

- A. Explanation of His Delay (10:10-13)
- B. **Explanation of His Visit (10:14–11:1)**
  - 1. Purpose of his visit (10:14)
  - 2. Daniel's reaction (10:15-19)
  - 3. **Continuing spiritual warfare (10:20–11:1)**



---

---

---

---

---

---

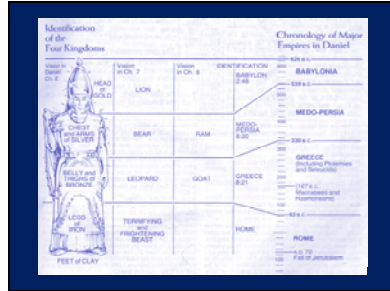
---

---

---

---

Slide 34




---

---

---

---

---

---

---

---

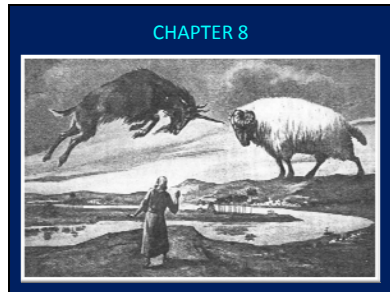
---

---

---

---

Slide 35




---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 36

**Daniel 8:20-21 (NASB)**  
 “The ram which you saw with the two horns represents the kings of Media and Persia.  
 21 The shaggy goat *represents* the kingdom of Greece, and the large horn that is between his eyes is the first king.”

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 37

Chapter 10–12 Outline

- I. The Setting (10:1-3)
- II. Arrival of the Heavenly Messenger (10:4-9)
- III. Explanation of the Heavenly Messenger (10:1–11:1)
- IV. The Prophecy of the Heavenly Messenger (11:2–12:13)



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 38

IV. The Prophecy of the Heavenly Messenger  
(11:2–12:13)

- A. Persia (11:2)
- B. Greece (11:3-4)
- C. Ptolemies & Seleucids (11:5-20)
- D. Antiochus (11:21-35)
- E. Antichrist (11:36-45)
- F. Tribulation & Millennium (12:1-13)



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 39

IV. The Prophecy of the Heavenly Messenger  
(11:2–12:13)

- A. Persia (11:2)
- B. Greece (11:3-4)
- C. Ptolemies & Seleucids (11:5-20)
- D. Antiochus (11:21-35)
- E. Antichrist (11:36-45)
- F. Tribulation & Millennium (12:1-13)



---

---

---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 40

IV. The Prophecy of the Heavenly Messenger  
(11:2–12:13)

- A. Persia (11:2)
- B. Greece (11:3-4)
- C. Ptolemies & Seleucids (11:5-20)
- D. Antiochus (11:21-35)
- E. Antichrist (11:36-45)
- F. Tribulation & Millennium (12:1-13)



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 41

IV. The Prophecy of the Heavenly Messenger  
(11:2–12:13)

- A. Persia (11:2)
- B. Greece (11:3-4)
- C. Ptolemies & Seleucids (11:5-20)
- D. Antiochus (11:21-35)
- E. Antichrist (11:36-45)
- F. Tribulation & Millennium (12:1-13)



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 42

IV. The Prophecy of the Heavenly Messenger  
(11:2–12:13)

- A. Persia (11:2)
- B. Greece (11:3-4)
- C. Ptolemies & Seleucids (11:5-20)
- D. Antiochus (11:21-35)
- E. Antichrist (11:36-45)
- F. Tribulation & Millennium (12:1-13)



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 43

IV. The Prophecy of the Heavenly Messenger  
(11:2–12:13)

- A. Persia (11:2)
- B. Greece (11:3-4)
- C. Ptolemies & Seleucids (11:5-20)
- D. Antiochus (11:21-35)
- E. Antichrist (11:36-45)
- F. Tribulation & Millennium (12:1-13)



---

---

---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 44

IV. The Prophecy of the Heavenly Messenger  
(11:2–12:13)

- A. Persia (11:2)
- B. Greece (11:3-4)
- C. Ptolemies & Seleucids (11:5-20)
- D. Antiochus (11:21-35)
- E. Antichrist (11:36-45)
- F. Tribulation & Millennium (12:1-13)



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 45

Conclusion

---

---

---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 46

Chapter 10–12 Outline

- I. The Setting (10:1-3)
- II. Arrival of the Heavenly Messenger (10:4-9)
- III. Explanation of the Heavenly Messenger (10:1–11:1)
- IV. The Prophecy of the Heavenly Messenger (11:2–12:13)




---

---

---

---


---

---


---

---

Slide 47



Statue  
&  
Stone




---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 48

Purpose

To encourage Judah by emphasizing the sovereignty of God during the Babylonian captivity and to teach Judah how to live while outside the land.




---

---

---

---

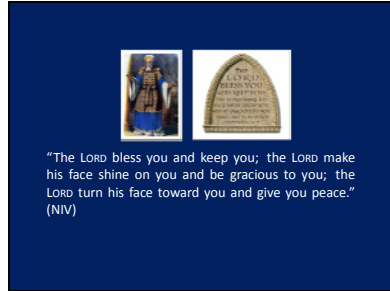
---

---

---

---





---

---

---

---

---

---

---

---

## 4-6

Rev. 1:13-14-<sup>13</sup> and in the middle of the lampstands *I saw* one like a son of man, clothed in a robe reaching to the feet, and girded across His chest with a golden sash. <sup>14</sup> His head and His hair were white like white wool, like snow; and His eyes were like a flame of fire.

Josh. 5:13-15-Now it came about when Joshua was by Jericho, that he lifted up his eyes and looked, and behold, a man was standing opposite him with his sword drawn in his hand, and Joshua went to him and said to him, “Are you for us or for our adversaries?” <sup>14</sup> He said, “No; rather I indeed come now *as* captain of the host of the LORD.” **And Joshua fell on his face to the earth, and bowed down,** and said to him, “What has my lord to say to his servant?” <sup>15</sup> The captain of the LORD’S host said to Joshua, “Remove your sandals from your feet, for the place where you are standing is holy.” And Joshua did so.

Rev. 19:10-Then I fell at his feet to worship him. But he \*said to me, “Do not do that; I am a fellow servant of yours and your brethren who hold the testimony of Jesus; worship God.”

Rev. 22:8-9-I, John, am the one who heard and saw these things. And when I heard and saw, I fell down to worship at the feet of the angel who showed me these things. <sup>9</sup> But he \*said to me, “Do not do that. I am a fellow servant of yours and of your brethren the prophets and of those who heed the words of this book. Worship God.”

Matt. 4:10- For it is written, ‘YOU SHALL WORSHIP THE LORD YOUR GOD, AND SERVE HIM ONLY.’”

Dan. 8:16-And I heard the voice of a man between *the banks of* Ulai, and he called out and said, “**Gabriel**, give this *man* an understanding of the vision.”

Dan. 9:21-22-while I was still speaking in prayer, then the man **Gabriel**, whom I had seen in the vision previously, came to me in *my* extreme weariness about the time of the evening offering. <sup>22</sup> He gave *me* instruction and talked with me and said, “O Daniel, I have now come forth to give you insight with understanding.

Luke 1:19-The angel answered and said to him, “I am **Gabriel**, who stands in the presence of God, and I have been sent to speak to you and to bring you this good news.

Luke 1:26-Now in the sixth month the angel **Gabriel** was sent from God to a city in Galilee called Nazareth.

## 7

Isa. 6:5- Then I said, “Woe is me, for I am ruined! Because I am a man of unclean lips, And I live among a people of unclean lips; For my eyes have seen the King, the LORD of hosts.”

Gen. 3:8-They heard the sound of the LORD God walking in the garden in the cool of the day, and **the man and his wife hid themselves from the presence of the LORD God among the trees of the garden.**

Rev. 1:17-When I saw Him, **I fell at His feet like a dead man.** And He placed His right hand on me, saying, “Do not be afraid; I am the first and the last.

Isa. 6:3- And the four living creatures, each one of them having six wings, are full of eyes around and within; and day and night they do not cease to say, “HOLY, HOLY, HOLY *is* THE LORD GOD, THE ALMIGHTY, WHO WAS AND WHO IS AND WHO IS TO COME.”

Rev. 4:8-And one called out to another and said, “Holy, Holy, Holy, is the LORD of hosts, The whole earth is full of His glory.”

## **8-9**

Gen. 2:18-22- <sup>18</sup> **Then the LORD God said, “It is not good for the man to be alone; I will make him a helper suitable for him.”** <sup>21</sup> **So the LORD God caused a deep sleep to fall upon the man, and he slept; then He took one of his ribs and closed up the flesh at that place.** <sup>22</sup> **The LORD God fashioned into a woman the rib which He had taken from the man, and brought her to the man.**

Gen. 15:12, 18- **Now when the sun was going down, a deep sleep fell upon Abram;** and behold, terror *and* great darkness fell upon him... <sup>18</sup> **On that day the LORD made a covenant with Abram,** saying, “To your descendants I have given this

land, From the river of Egypt as far as the great river, the river Euphrates:

## 10

Rev. 1:17-When I saw Him, I fell at His feet like a dead man. **And He placed His right hand on me**, saying, “Do not be afraid; I am the first and the last.

## 11

Dan. 9:23- At the beginning of your supplications the command was issued, and I have come to tell *you*, for **you are highly esteemed**; so give heed to the message and gain understanding of the vision.

Dan. 8:16-And I heard the voice of a man between *the banks of Ulai*, and he called out and said, “Gabriel, **give this man an understanding of the vision.**”

2 Pet. 3:18- but grow in the grace and **knowledge** of our Lord and Savior Jesus Christ. To Him *be* the glory, both now and to the day of eternity. Amen.

Col. 1:9- For this reason also, since the day we heard *of it*, we have not ceased to pray for you and to ask that you may be filled with the **knowledge** of His will in all spiritual wisdom and understanding

Dan. 12:8- As for me, I heard but could not understand; so I said, “My lord, what *will be* the outcome of these *events*?”

1 Pet. 2:2- like newborn babies, long for the pure milk of the word, so that by it you may grow in respect to salvation.

## **12a**

Rev. 1:17- When I saw Him, I fell at His feet like a dead man. And He placed His right hand on me, saying, “**Do not be afraid**; I am the first and the last,

2 Tim. 1:7- For God has not given us a spirit of timidity, but of power and love and discipline.

## **12b-13a**

Ezek. 28:17- Your heart was lifted up because of your beauty; **You corrupted your wisdom** by reason of your splendor. I cast you to the ground; I put you before kings, That they may see you.

Gen. 3:1- Now the serpent was more crafty than any beast of the field which the LORD God had made. And he said to the woman, “**Indeed, has God said**, ‘You shall not eat from any tree of the garden’?”

Matt. 13:19-When anyone hears **the word** of the kingdom and does not understand it, the **evil one comes and snatches away** what has been sown in his heart. This is the one on whom seed was sown beside the road.

## **13b**

Dan. 12:1-Now at that time **Michael**, the great prince who stands *guard* over the sons of your people, will arise. And there will be a time of distress such as never occurred since there was a nation until that time; and at that time your people, everyone who is found written in the book, will be rescued.

Eph. 6:12-For our struggle is not against flesh and blood, but against the rulers, against the powers, against the world forces of this darkness, against the spiritual *forces* of wickedness in the heavenly *places*.

2 Kgs. 6:15-17- Now when the attendant of the man of God had risen early and gone out, behold, an army with horses and chariots was circling the city. And his servant said to him, “Alas, my master! What shall we do?” <sup>16</sup> So he answered, “Do not fear, for those who are with us are more than those who are with them.” <sup>17</sup> Then Elisha prayed and said, “O LORD, I pray, open his eyes that he may see.” And the LORD opened the servant’s eyes and he saw; and behold, the mountain was full of horses and chariots of fire all around Elisha.

1 Tim. 2:1-2-First of all, then, I urge that entreaties *and* prayers, petitions *and* thanksgivings, be made on behalf of all men, <sup>2</sup> for kings and all who are in authority, so that we may lead a tranquil and quiet life in all godliness and dignity.

### **15-17**

Dan. 7:28- At this point the revelation ended. As for me, Daniel, my thoughts were greatly alarming me and my face grew pale, but I kept the matter to myself.

Dan. 8:27-Then I, Daniel, was exhausted and sick for days. Then I got up *again* and carried on the king’s business; but I was astounded at the vision, and there was none to explain *it*.

### **18-19**

Dan. 10:11- He said to me, “O Daniel, man of high esteem, understand the words that I am about to tell you and stand upright, for I have now been sent to you.” And when he had spoken this word to me, I stood up trembling.

Dan. 9:23-At the beginning of your supplications the command was issued, and I have come to tell *you*, for you are highly esteemed; so give heed to the message and gain understanding of the vision.

2 Tim. 1:7- For God has not given us a spirit of timidity, but of power and love and discipline.

## **21**

Dan. 12:1-Now at that time Michael, the great prince who stands *guard* over the sons of your people, will arise. And there will be a time of distress such as never occurred since there was a nation until that time; and at that time your people, everyone who is found written in the book, will be rescued.

## **Conclusion**

Num. 6:24-26-The LORD bless you, and keep you;<sup>25</sup> The LORD make His face shine on you, And be gracious to you;<sup>26</sup> The LORD lift up His countenance on you, And give you peace.’